Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to include Rajbansi, Adivasi, Tai Ahom, Moran, Matak and Chutia tribes of Assam in the list of the Scheduled Tribes.

श्री नव कुमार सरनीया (कोकराझार): अध्यक्ष महोदय, मैं असम राज्य के एक महत्वपूर्ण विषय पर सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ । असम के कोच राजबंसी, आदिवासी, टाई आहोम, मोरान, मटक और चुटिया, ये छ: जनजातियाँ बहुत दिनों से जनजातिकरण की मांग करती आ रही हैं । चुनाव के समय यह मुद्दा विशेष स्थान रखता है, लेकिन अभी तक इसका कोई समाधन नहीं हो पाया है । कोच राजबंशी को सन् 1996 में अध्यादेश के जरिये जनजाति की मान्यता मिली थी, लेकिन वह संविधान में अंतर्भुक्त नहीं हो पाया, जिसकी वजह से जनजाति की मान्यता नहीं मिल पाई है । आदिवासी लोगों की भारतवर्ष के विभिन्न राज्यों में जनजाति के रूप में मान्यता है, लेकिन असम में इन्हें जनजाति की मान्यता से दूर रखा गया है । सरकार राज्य सभा में जनजातिकरण के लिए बिल लाई थी, लेकिन अभी भी उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है । मेरी आपके जरिये सरकार से माँग है कि जल्द से जल्द इन जनजातियों का जनजातिकरण किया जाए । इसके साथ ही कलिता और नाथ-योगी के लिए भी जनजातिकरण की प्रक्रिया होनी चाहिए । धन्यवाद ।